

12.06 hrs.

Title: Need to withdraw circular issued by NCERT deleting certain portions of History Textbooks.

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, the circular by CBSE has directed the NCERT to delete certain portions from the textbooks of History being taught in the schools in our country. It is communally motivated and intended to twist the established facts of the Indian History. ...*(Interruptions)* Whatever historical facts are there, a poisonous view is being propagated by the *Sangh Parivar*. It is being systematically deleted from the textbooks that are taught in our country. This should be condemned. ...*(Interruptions)*

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : पिछले दस सालों से यह इतिहास पढ़ाया जाता रहा, तब तो आपने कुछ नहीं कहा। *(व्यवधान)*

श्री प्रियरंजन दासमुंशी (रायगंज) : अध्यक्ष जी, एजूकेशन में गोल-माल हो रहा है, यह नहीं चलेगा। *(व्यवधान)* यह देश सेक्यूलर ढंग से चलेगा।

श्री मदन लाल खुराना : गुरु तेग बहादुर जी को लुटेरा कहना, क्या यह सेक्यूलर ढंग है। *(व्यवधान)*

MR. SPEAKER: Shri Khurana, I have called Shri Suresh Kurup. *(Interruptions)*

SHRI SURESH KURUP: Will you please allow me? ...*(Interruptions)*

श्री चिन्मयानन्द स्वामी (जौनपुर) : इतिहास को अपनी मर्जी से इंटरप्रेट करने का आपको अधिकार नहीं है। *(व्यवधान)*

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर) : यह विद्वा होगा, नहीं तो सरकार को जाना पड़ेगा। *(व्यवधान)*

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Kurup says. *(Interruptions)* *

MR. SPEAKER: I have called Shri Kurup.

SHRI SURESH KURUP : This Government wants to dismantle the secular education and foundation of our country. ...*(Interruptions)*

* Not Recorded

Sir, the fundamentalists of all shades – to whichever country they belong to or whatever religion they represent – speak the same voice. Whether it is *Taliban* in Afghanistan or *Sangh Parivar* in India, they are one and the same. They represent the two sides of the same coin. So, I request the secular allies of this Government to rise to the occasion. They should not allow this to happen in this country. ...*(Interruptions)* The whole House should condemn it.

अध्यक्ष महोदय : आचार्य जी, मैं आपको बुलाऊंगा, आप बैठ जाइये। *(व्यवधान)*

SHRI SURESH KURUP : This circular should be withdrawn immediately. ...*(Interruptions)* Now, the Minister has come. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Shri Kurup, I have received three notices on the same subject. Shri Sahib Singh Verma and Shri Basu Deb Acharia have also given notices on the same subject. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Now, I have to call Shri Sahib Singh Verma. Then, I would call Shri Acharia also....*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: He has also given a notice on the same subject. *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: On the same subject I have received three notices, one from Shri Suresh Kurup, one from Shri Sahib Singh Verma and one from Shri Basudeb Acharia. I have to hear them first....*(Interruptions)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Right Sir, let them speak first and then the hon. Minister can reply...*(Interruptions)*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, this is not a matter which can be discussed here...*(Interruptions)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The circular should be withdrawn forthwith...*(Interruptions)*

श्री साहिब सिंह (बाहरी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, सी.बी.एस.ई. ने जो सर्कुलर निकाला है, उसके बारे में वाँ से लगातार देश के लोगों की यह मांग रही थी कि टैक्स्ट बुक्स में जो बहुत गलत बातें पढ़ाई जाती हैं, उन्हें निकाला जाए। उसे लेकर देश के विभिन्न वर्गों के अन्दर बहुत खलबली मची थी। इससे उनकी बेइज्जती हो रही थी। गुरु तेगबहादुर के बारे में कहना कि उन्होंने रेप करवाया, उन्होंने गुंडागर्दी की, उन्होंने लूट-खसोट की, लिखना गलत होगा। *(व्यवधान)* मेरे पास यह किताब है। छठी क्लास की किताब में ऐसा कहा गया है। *(व्यवधान)* इसमें ये सब है। यदि सी.बी.एस.ई. ने ऐसा सर्कुलर निकाला है कि टैक्स्ट बुक्स में से यह चीज निकाल दी जाए, उससे अच्छा कदम और क्या हो सकता है। सारे सदन को इसका स्वागत करना चाहिए। *(व्यवधान)*

MR. SPEAKER: I have called his name please....(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have called Shri Sahib Singh Verma. Let him speak please....(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record, except Shri Verma's submission. (Interruptions) â€¦*

श्री साहिब सिंह : जाटों ने कारगिल की लड़ाई में 90 परसेंट शहादत दी। आजादी की लड़ाई के लिए जितनी जंग हुई और देश की आजादी को बचाने के लिए जाटों ने जो काम किया, वह एक मिसाल है। उनके बारे में कहा जाए कि जाट गुंडागर्दी करते हैं, लूट-खसोट करते हैं तो यह गलत बात होगी। अगर जाटों के बारे में इतिहास की किताब में यह बात पढ़ाया जाता है तो इससे गलत बात और क्या हो सकती है। â€¦(व्यवधान) आप खड़े होकर इस तरह की बातें करते हैं और कहते हैं कि गलत काम किया गया है। इससे गलत बात और क्या हो सकती है। उन लोगों को शर्म आनी चाहिए जो यह कहते हैं कि सी.बी.एस.ई. को वह सर्कुलर विद्वान करना चाहिए। â€¦(व्यवधान) आप गुरु तेगबहादुर के बारे में, जाटों के बारे में, देश के इतिहास के बारे में ऐसी बात करेंगे तो इससे बड़ी शर्म की बात कोई नहीं हो सकती है। सी.बी.एस.ई. ने बहुत अच्छा काम किया है। शिक्षा मंत्री ने अच्छा काम किया है। सारे सदन को सीबीएसई. के उस सर्कुलर का स्वागत करना चाहिए। जो भी इस दिशा में काम किया गया है, आप सब इसका स्वागत करें और शाबाशी दें कि सीबीएसई ने अच्छा काम किया है। अच्छी-अच्छी बातें इतिहास में और भी हैं। गलत बातें बच्चों को पढ़ाना और छोटे-छोटे बच्चों को इस तरह की किताबें पढ़ाना, इससे गलत बात

और कोई नहीं हो सकती। जो सदस्य इसका विरोध करते हैं उन्होंने निश्चित तौर पर ठीक नहीं किया है। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Verma, please conclude now....(Interruptions)

श्री साहिब सिंह: आप इतिहास के बारे में नहीं जानते। जिन लोगों ने सैक्रिफाइज किया, आप उसका विरोध करते हैं। दिल्ली सरकार ने भी कहा है कि जाटों के बारे में ठीक लिखा गया है जबकि दिल्ली सरकार जाटों के कारण यहां राज कर रही है। आप जाटों का विरोध करते हैं। उन्हें गुंडा बताते हैं, बदमाश बताते हैं। इससे बड़ी शर्म की बात कोई दूसरी नहीं हो सकती है। सारे सदन को सी.बी.एस.ई. के कदम का स्वागत करना चाहिए और उन्हें बधाई देनी चाहिए। â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, this is most unfortunate that the RSS is bent upon dismantling the secular fabric of this country. The Prime Minister has justified day before yesterday that what has been done by the NCERT under the direction of the Human Resource Development Minister, Dr. Murali Manohar Joshi...(Interruptions) Sir, some of the portion of the history textbook...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. I have called Shri Basudeb Acharia....(Interruptions)

MR. SPEAKER: The Minister of Parliamentary Affairs is there....(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: Now, Shri Basu Deb Acharia.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Before the Order was issued by NCERT for deletion, the eminent historians were not consulted. ...(Interruptions)

* Not Recorded

MR. SPEAKER: Shri Kharabela Swain, I have called Shri Basu Deb Acharia. Please take your seat

SHRI BASU DEB ACHARIA : It is most unfortunate that the Prime Minister of our country has just referred to the deletion of some of the portions of these text books and he has also stated that there will be further deletion. This is nothing but Talibanisation of our education and saffronisation of our education. They want to dismantle the secular fabric of our country. They have already changed the curriculum of education. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Basu Deb Acharia says.(Interruptions) â€¦*

SHRI BASU DEB ACHARIA : They have deleted some of the portions of the history textbooks which are taught for years together. Those books are written by eminent historians of our country. They were not consulted before the deletion of those portions. So, we demand that the Circular which was issued by NCERT to all the CBSE schools should be withdrawn. ...(Interruptions) The Government should stop Talibanisation of education, and the secular fabric of our country should not be dismantled. ...(Interruptions) What are they doing? ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Is there anything from the Government?...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please understand that yesterday we had a very good meeting in the Central Hall about discipline and decorum in the House. What are we doing today in the House? ...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the hon. Minister has left the House. ...(Interruptions)

* Not Recorded

MR. SPEAKER: The Minister of Parliamentary Affairs is there. He can reply. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Yesterday, Shri Shivraj V. Patil has given a very good suggestion. I think, the trouble starts only with 'Zero Hour'. ...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : अगर ऐसे सब लोग बोलेंगे तो कैसा चलेगा? मुलायम सिंह जी, क्या आप इसी पाइंट पर बोलना चाहते हैं?

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्मल) : अध्यक्ष महोदय, जी हां। ... (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : You cannot change the history. ... (Interruptions) You cannot rewrite the history. ... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। अभी मुलायम सिंह जी को बोलने दें।... (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : हम बोलेंगे तो सब खड़े हो जाएंगे और मुलायम सिंह जी बोलेंगे तो हम चुप कर जाएं? â€ (व्यवधान) You please speak but allow us to speak also.

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, आप मल्होत्रा जी को भी बोलने का मौका दें। â€ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, आपको भी मौका मिलेगा। कभी कभी लीडर्स को भी मौका देना चाहिए। ... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह मामला गंभीर है और इसलिए है कि जब पूरी दुनिया में आतंकवाद की चर्चा है तो इस तरह की शिक्षा देने के बारे में जो टिप्पणी आई है वह गंभीर विषय है। यह हमारा अकेले का सवाल नहीं है, आप सबका है। राजस्थान में जो एक किताब पढ़ाई जा रही है जिसका पाठ्यक्रम अखबारों में छपा है, उसमें लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों और कांग्रेस की बुराइयों के बारे में। वहां सरकार कांग्रेस की है, इसको कैसे स्वीकार किया मुझे पता नहीं, लेकिन अखबारों में साफ आया है। शिवराज पाटिल जी उसको नेता विपक्ष को भी दिखा दें क्योंकि आपकी सरकार है राजस्थान में। वहाँ यह पढ़ाया जाएगा कि भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियाँ क्या हैं? â€ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : आप किसकी बात कर रहे हैं? कौन सी एन.सी.ई.आर.टी. की बुक में है?

श्री मुलायम सिंह यादव : यही तो मैं कह रहा हूँ। कांग्रेस की सरकार है और कांग्रेस का इतिहास न बताकर लिखा गया है कि बीजेपी की सरकार अच्छी है। â€ (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा संचार मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : मुलायम सिंह जी यह कह रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार कहती है कि बीजेपी की सरकार अच्छी है। â€ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : कांग्रेस का इतिहास बताते हुए लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के मूवमेंट का विरोध किया। अगर छात्रों को इस तरह से पढ़ाया जाएगा तो मैं पूछना चाहता हूँ कि आप किस आधार पर तालिबान का विरोध कर सकते हैं? नहीं कर सकते। आपको कोई नैतिक अधिकार नहीं है तालिबान का विरोध करने का। जो काम तालिबान ने किया, वही काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। जब आपने मस्जिद तोड़ी तो तालिबान बुद्ध की प्रतिमाओं को तोड़ रहा है। दोनों एक ही तरह के काम हैं। â€ (व्यवधान) उन्होंने बौद्ध स्तूपों को तुड़वाया है। आप तालिबान का कैसे विरोध कर सकते हैं? जो काम तालिबान ने किया है वही काम आपने भी किया है।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, अभी तक मेरी समझ में बात नहीं आई और मैं बताऊँ कि एक वाक्य किसी एन.सी.ई.आर.टी. की किताब में नहीं जोड़ा गया। मैं पूछना चाहता हूँ कि कोई सदस्य यह बताए कि एन.सी.ई.आर.टी. की किसी किताब में कुछ जोड़ा गया हो। इसलिए मुलायम सिंह जी जो कह रहे हैं, वह बिल्कुल गलत बात है। पाँच वाक्य निकाले गए हैं। एक वाक्य जो निकाला गया Let me confirm it -

"In 1675 Guru Tegh Bahadur was arrested and executed. The official explanation for this is that after his return from Assam, the Guru in association with one Hafiz Adam resorted to plundering and raping laying waste the whole province of Punjab."

क्या यह नहीं निकालना चाहिए। क्या यह वाक्य नहीं निकालना चाहिए कि गुरु तेग बहादुर जी ने एक हाफिज़ के साथ मिलकर लूटपाट मचाई और रेप किया। Let anyone get up and say, कोई सदस्य कहे कि ये वाक्य पढ़ाए जाने चाहिए बच्चों को? एक सदस्य भी ऐसा नहीं मिलेगा। â€ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, दूसरा वाक्य निकाला गया है कि "Jats founded their state at Bharatpur from where they conducted plundering raids in the region around."

यह क्लास 8 में पढ़ाया जा रहा था। क्या सारे हिन्दुस्तान के बच्चों को पढ़ाया जाए कि जाट लूटपाट करते थे, लूटपाट मचाते थे? कौन कहता है खड़े होकर कि जाटों ने यह काम किया है? एक वाक्य और निकाला गया है। â€ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ â€ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : अध्यक्ष महोदय, ये इतना शोर कर रहे हैं। क्या यही कोड आफ कंडक्ट है? माननीय मुलायम सिंह जी कुछ कहना चाहते हैं, उन्हें सुना जाए। â€ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि तीसरा वाक्य यह निकाला गया है कि यहां लोग गोमांस खाते थे और जब कोई आता था, तो उसे बछड़े का मांस परोसा जाता था। क्या यह सही है कि सारे हिन्दुस्तान के लोग गोमांस खाते थे? â€ (व्यवधान) चौथी बात मैं जैनियों के बारे में कहना चाहता हूँ â€ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आपने गाय और सूअर का मांस मंगाने के लिए पूरे हिन्दुस्तान के होटलों में छूट दे दी है। â€ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : मुलायम सिंह जी, मुझे अपनी बात समाप्त करने दीजिए। आप जाटों के बहुत हमदर्द बनते हैं। मैं बताना चाहता हूँ कि इन किताबों में

यह लिखा था कि जाट लूट-मार करते थे। क्या आप देश के बच्चों को यही पढ़ाना चाहते हैं? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, 20,000 पुस्तकों के पेजेज में से 5-6 वाक्य निकाले गए हैं और उनके बारे में यहां हल्ला मचाया जा रहा है और उसे तालिबान की संज्ञा दी जा रही है। उसे तालिबान के साथ जोड़ा जा रहा है और कहा जा रहा है कि तालिबान का समर्थन हो रहा रहा है। (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप बोल रहे हैं, उतना सही हो सकता है, लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि उसके बाद भी और बहुत सी बातें हैं जो बदली गई हैं। (व्यवधान)

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : अध्यक्ष महोदय, मैं दो-तीन मुद्दों पर अपनी पार्टी और हम लोगों का जो नजरिया है वह आपके सामने रख रहा हूँ। पहला मुद्दा तो यह है कि राजस्थान में ऐसी किताबें कैसे आईं। इस बारे में मैं कहना चाहता हूँ कि वे किताबें हमारे जमाने की नहीं हैं। उससे पहले की सरकार के जमाने की बनी हुई थीं और उन किताबों में जो आब्जैक्शनेबल मैटर था, उसे निकालने के लिए एक कमेटी बैठाई गई और उसकी रिपोर्ट पर आब्जैक्शनेबल मैटर्स को निकालने के आदेश दिए गए। उसके बावजूद पब्लिशर ने किताब को एक दूसरा कवर लगाकर पब्लिश किया। ऐसा करने के कारण पब्लिशर के खिलाफ कार्रवाई की गई और वह किताब जो उन्होंने निकाली है, उसे भी सर्कुलेशन में नहीं रखा है। इसमें कांग्रेस सरकार का कोई दोष नहीं है। (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : सवाल यह नहीं है कि क्या निकाला है, बल्कि सवाल यह है कि इन्होंने बदला है। (व्यवधान)

श्री शिवराज वि.पाटील : ठीक है, यदि आप ऐसा कह रहे हैं, तो हमें कोई आब्जैक्शन नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि हमारे देश के किसी नेता या महापुरुष के खिलाफ यदि कोई गलत बात लिखी है, तो उसे निकालने में कोई दोष नहीं है। मगर उसका एक तरीका होना चाहिए और उस कार्य को सोच-समझ कर करना चाहिए न कि हमारे समाज में फूट डालने के लिए। यदि समाज में फूट डालने के लिए ऐसा किया जा रहा है, तो वह गलत है।

अध्यक्ष महोदय, तीसरी और आखिरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि हिस्ट्री को किस प्रकार से यहां बदलने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'Arctic is the home of Aryans.' यह पुस्तक श्री तिलक ने लिखी थी और इसकी वजह हिस्ट्री है और हमारे हिस्टोरियन को यह बताया जा रहा है कि 'Arctic was not the home of Aryans.' आर्यन्स यहां से चले गए। इस प्रकार से हिस्ट्री बदलकर देश में फूट डालने का प्रयास हो रहा है। इसका असर सारे संसार में भी होने वाला है। इस प्रकार से यदि हिस्ट्री बदली जाती है, तो उसका अच्छा असर हमारे देश के बच्चों पर नहीं होता है। इसलिए इस प्रकार का प्रयास नहीं होना चाहिए। यदि कोई इस प्रकार का प्रयास कर रहा है, तो हमारा उसे यहां उठाने का अधिकार है और हम उठाते रहेंगे।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, this cannot be treated as a mere routine matter or just it has happened. There is deliberateness behind this. It is a diabolical move to tamper with the history of this country. It is an amazing attitude by the saffronised people. What they want to do? They are deleting one sentence here and there, as if they are rewriting history. This is an amazing thing. This has never happened. Without any credibility or credentials who can write a history? You try to write a history for your own purpose. You cannot even impose upon the children and try to delete one sentence here and there on the basis of your own perception. This has suddenly arisen. ... (Interruptions)

श्री साहिब सिंह : जो निकाला गया है, उसके बारे में बताइए कि क्या गलती है। (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : This discloses a particular state of mind. They want to divide the people of this country on the basis of obscure ideas and fundamentalism. This will never be tolerated.

Sir, the NCERT cannot rewrite the history. All the people who have been put there are deliberately doing all these things. This is a part of the saffronisation of education, which is going on. This has to be condemned. This is the grotesque attack on the history of this country. ... (Interruptions)

श्री शीशराम सिंह रवि (बिजनौर) : मान्यवर, आप क्या चाहते हैं? (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : It is a matter, which we strongly oppose. ... (Interruptions) It is a very serious matter. ... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इतिहास की तस्वीरों को सरकार जब चाहे बदलने का काम किसलिए कर रही है। (व्यवधान) इतिहासकारों ने जो लिखा है, उनकी सहमति से किया जाना चाहिए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have not called your name.... (Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, the hon. Prime Minister has also given his support to this. It is very unfortunate to say the least when so many parties are concerned about it. The Leaders have been expressing their views and the academicians have been expressing their views. The hon. Prime Minister without consulting anybody gives a clean chit. What is the basis of his finding? What is the basis of the finding of the hon. Prime Minister of India that he takes upon himself to decide what is the history that will be read in this country.

Sir, we strongly oppose this and we condemn it. We demand immediate withdrawal of this circular; otherwise it will create an agitation. We cannot allow division of this country on the basis of obscurantist and fundamentalist ideas. ... (Interruptions)

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मेरे जैसा आदमी हिस्ट्री के बारे में जरा नासमझ है। इतनी देर से जो बहस हो रही है, मैं नहीं समझ पाया कि यह बहस किस मुद्दे पर हो रही है, सिवाए श्री शिवराज पाटील और मुलायम सिंह जी ने जो एक सवाल उठाया, उसमें कुछ तथ्य रखे गए, जिस पर राय देना संभव है लेकिन

अन्य बातों पर राय देना बहुत मुश्किल है क्योंकि यह मान लेना कि इतिहासकार ने कुछ लिख दिया, वह शाश्वत सत्य हो गया, मैंने इतिहास के बारे में यह धारणा न कभी पढ़ी है, न इतिहास की यह धारणा है। जो इतिहास लिखने वाले लोग हैं, वे भी समय-समय पर अपनी परिस्थितियों और समझ के अनुसार लिखते हैं। एन.सी.ई.आर.टी. की जो किताब है, मैं और किताबों को नहीं जानता, उस किताब को मुझे उसके एक अधिकारी ने दिखाया और मैंने उस किताब के पन्नों को उलट-पलट कर देखा। उसमें अधिकांश जो चीजें जोड़ी गई हैं, वे एस.बी. चव्हाण कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर जो हैं, वही ज्यों का त्यों उद्धृत किया गया है। श्री एस.बी. चव्हाण सैफरनाइजेशन के फेवर में तो नहीं हो सकते, इतना मैं मानता हूँ।

जहां तक राजस्थान का मामला है, वह जरूर एक गंभीर मामला है। संसदीय कार्य मंत्री से कहेंगे कि वहां के लोगों से बात करें। अगर उनके लोग पुरानी बातों पर अड़े हुए हैं, तो यह बात गलत है।

श्री विजय कुमार मल्होत्रा ने जो 4-5 सवाल कहे, यह बात बहस की हो सकती है कि क्या उस जमाने में जब वे जंगलों में घूमते थे, गौ मांस खाते थे या नहीं। यह बात इतिहासकार लिख सकता है, उस पर विश्लेषण कर सकता है लेकिन यह आठवीं दर्जे के लड़के को पढ़ाने के लिए नहीं है और अगर आज की परिस्थिति में पढ़ाया जाएगा तो इससे देश में अनावश्यक विवाद उठेगा।

यह मत समझिये कि मानसिकता, जज्बात एक ही तरफ है, जज्बात दूसरी तरफ भी है। सोमनाथ जी, इसलिए मैं कहता हूँ, उनकी किताब को किसी ने बैन नहीं किया है, लेकिन उसके आधार पर आठवीं दर्जे के बच्चों को पढ़ाना किसी मायने में उचित नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्री का यह अधिकार नहीं है कि किसी अन्वेषण, किसी शोध कार्य को बदल दे, लेकिन शिक्षा मंत्री का यह अधिकार है कि ऐसी बातें, जिससे तनाव पैदा हो सकता है, झगड़ा हो सकता है, जिससे लोगों के मन पर एक धक्का लग सकता है, चाहे वह तनाव एक वर्ग में पैदा हो, चाहे तनाव दूसरे वर्ग में पैदा हो, दोनों को समान महत्व देना चाहिए। अगर यह विवाद है तो आप 3-4 लोगों को, जो इतिहास के ज्ञाता लोग इस सदन में हैं, उनको बैठा दीजिए, दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातें रख दें और उसके बाद आप निर्णय कर दें। लेकिन जहां तक एक साधारण नागरिक के नाते मैं समझता हूँ, जो कुछ शोध कार्यों में है, वही सातवें और चौथे दर्जे के लड़के को पढ़ाया जाये तो इस समाज को टूटने से कोई बचा नहीं सकता।

MR. SPEAKER: I have now called the hon. Minister for Parliamentary Affairs. ...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : यह जो सुझाव है, ऑब्जेक्शंस पर बात करके मिलकर इस तरह से कोई समाधान किया जा सकता है। अकेले मंत्री जी इसका उचित फैसला नहीं कर सकते हैं।

MR. SPEAKER: You are raising serious matters and you are not allowing the Minister to reply. I have now called the hon. Minister. ...(*Interruptions*)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष जी, मुझे दो मिनट दीजिए, आपने हर पार्टी को मौका दिया है, हम भी अपनी पार्टी की राय रखना चाहते हैं। आदरणीय शिवराज जी पाटिल बोल रहे हैं कि अगर गलत बात है तो उसे निकालना चाहिए, हम इससे सहमत हैं।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the *Rashtriya Chetna Sanghatan* has issued a circular ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called the hon. Minister now. ...(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, he will never listen to you! (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the *Rashtriya Chetna Sanghatan* has issued a circular accusing Mahatma Gandhi, Pandit Nehru and the Congress Party against the Hindus...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you go on like this, then what would happen to the other notices that have been given. I cannot understand this. The other Parties also would ask for time....(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, this has been supported by Shri Ashok Singhal by another circular with a few pamphlets by one Shri Talreja...(*Interruptions*) This is causing danger to our secular amity! (*Interruptions*) Why did the Government not take any cognizance of this?...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Government is now responding. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, this is the circular issued by the *Rashtriya Chetna Sanghatan* ...(*Interruptions*) and supported by Shri Ashok Singhal...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. (*Interruptions*) *

MR. SPEAKER: The Minister is going to reply now. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The only problem here is how to accommodate the Leaders of all the Parties. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing, except what Kumari Mamata Banerjee is saying, would go on record. (*Interruptions*) *

कुमारी ममता बनर्जी (कलकत्ता दक्षिण) : मैं पहले चन्द्रशेखर जी और कांग्रेस के डिप्टी लीडर शिवराज पाटिल जी ने जो बात कही है, उसका समर्थन करती हूँ। विजय कुमार मल्होत्रा जी ने भी तेगबहादुर जी की बात कही है, यह बात भी सच है, जिसको शिवराज पाटिल ने सपोर्ट किया है, पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी ने सपोर्ट किया है। मुझे एक चीज का ऑब्जेक्शन है, जो शिक्षा को लेकर यहां पार्लियामेंट के अन्दर तालिबानाइजेशन का वर्ड प्रयोग करता है, मैं इसके खिलाफ हूँ। इसलिए कि तालिबानाइजेशन और नोर्दन एलाइंस कहने का कोई स्थान यहां नहीं है।

* Not Recorded

हमारा देश स्वतंत्र देश है। हमारे यहां सेक्युलरिज्म है। जो लोग तालिबान के समर्थन में कोलकाता में जुलूस निकालते हैं, उनके मुंह से यह शोभा नहीं देता है। (व्यवधान) हम भगवाकरण नहीं चाहते, लेकिन हम लालीकरण भी नहीं चाहते, जैसा कि बंगाल में हो रहा है। (व्यवधान) हम लोग धर्म निरपेक्ष भारत चाहते हैं। माननीय शिवराज पाटिल और माननीय चन्द्रशेखर ने जो कुछ कहा है, उससे कुछ कंप्यूजन पैदा हुआ है, एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से तीन चीजें निकालने पर, तो मैं सरकार से अपील करूंगी कि वह शिक्षा मंत्री जी को कहकर इस पर फुल डिसकशन कराएं। हमारे मन में जो है, तब हम अपने विचार व्यक्त करेंगे। शिक्षा मंत्री जी भी सारी बातों पर स्पटीकरण देंगे और यह प्रब्लम सॉल्व हो जाएगी। आप शिक्षा का राजनीतिकरण नहीं कर सकते।

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष जी, हमें भी कुछ बोलना है।

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Let me answer this short discussion now. You can have a fullfledged one later.

श्री मोहन रावले : हम अपनी पार्टी की राय रखना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : इस तरह से तो हाउस चलाने में दिक्कत आएगी। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं।

श्री मोहन रावले : अगर आप अलाऊ करेंगे तो हम बोलेंगे।

अध्यक्ष महोदय : आपका सन्मिशन क्या है।

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय शिवराज पाटिल और चन्द्रशेखर जी ने जो कहा है, उसमें गलत कुछ भी नहीं है। विजय कुमार मल्होत्रा जी ने जो कहा उसमें भी कुछ गलत नहीं है। जिन लोगों ने राट्ट प्रेम से प्रेरित होकर देश के लिए कुर्बानी दी, उनका आदर करना हमारा कर्तव्य है। (व्यवधान) इन लोगों को उनके बारे में कुछ कहने का कोई हक नहीं है, क्योंकि चाइना के साथ वार के समय ये उसके साथ थे। यह इतिहास बदला गया है। अगर इतिहास में गलत लिखा हुआ है, तो वह बदला जाएगा। उसमें किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। इसीलिए जो गलत लिखा गया है, हम उसे बदलना चाहते हैं। चन्द्रशेखर जी ने ठीक कहा कि जिससे माहौल खराब हो सकता है, उस बात को बदल कर सही करना चाहिए। जब भी सरकार कुछ अच्छा करना चाहती है तो इन लोगों को इसमें भगवाकरण की बू आती है। विजय कुमार मल्होत्रा जी ने जो कहा, मैं उसका समर्थन करता हूँ। (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, मैं बहुत विस्तार से तो नहीं बोलूंगा, लेकिन थोड़ा समय जरूर चाहूंगा।

MR. SPEAKER: You can also take your own time. No problem.

श्री प्रमोद महाजन : आदरणीय शिवराज पाटिल जी ने अपना भाग शुरू करते हुए कहा कि राजस्थान में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, तो उन्होंने कुछ इतिहास की किताब में गलत बातें लिखी थीं या कोई गलत बात लिखी हुई इतिहास की किताब पढ़ाने के लिए कहा था। जब कांग्रेस पार्टी की सरकार वहां आई, तो उसने इसकी जांच के लिए एक समिति का गठन किया। उस समिति ने इसका अध्ययन किया और यह पाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो पहले सिखा रही थी, वह किताब ठीक नहीं थी। इसलिए इस सरकार ने कहा कि वह किताब न पढ़ाई जाए। इसका तात्पर्य मैं इतना ही निकाल सकता हूँ कि अगर किसी कक्षा में कोई गलत बात सिखाई जाती हो, तो वह नहीं सिखानी चाहिए। ऐसा आदेश देने का अधिकार सरकार को है।

श्री बसुदेव आचार्य : किस कमेटी का अधिकार है? (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : कितनी बार आप बीच में बोलेंगे? (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : किस कमेटी को रैफर किया गया है? (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : इसका अर्थ तो यह हुआ कि इसके दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। एक सरकार एक समिति बिठाकर, अध्ययन करके इतिहास की कुछ बातें अगर गलत पढ़ाई जा रही हैं तो उसको हटा सकती है। स्वाभाविक रूप से यदि दूसरा व्यक्ति यह करे तो सिद्धांत रूप से इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। (व्यवधान) इसमें सिद्धांत रूप में मैं शिवराज पाटील जी से सहमत हूँ। निश्चित रूप से, मैं सोमनाथ दादा जी से भी सहमत हूँ। Nobody can tamper with history and nobody can re-write history. ... (Interruptions) Shri Acharia, if you do not want to have reply, then I will sit down. I am very sorry about this. I may be wrong. I may be wrong, but let me say.

At the same time, everybody here knew about them. We are all learned people. History is a very controversial thing. There are many things in history on which still there is no final word. For example, where did the Aryans come from? Even Tilak Maharaj has no last word on this, because you are analysing something that had happened 2000 years or 5000 years ago. Naturally, there can be these things. ... (Interruptions) Should I have to yield?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : I am not getting up. I am paying more attention to you.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Thank you. I am very grateful. Rarely it happens.

So, there are a few things in history on which really nobody has a final word, including me. ... (Interruptions) Again, what is this Bengali syndrome? I do not understand. बसुदेव जी चुप होते हैं तो प्रियरंजन जी शुरू हो जाते हैं।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I was only trying to help.

श्री प्रमोद महाजन : आप जैसे दोस्त हों तो दुश्मनों की जरूरत क्या है? (व्यवधान) इसलिए इतिहास की कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर किसी ने अंतिम शब्द नहीं किया है और हर किताब के दो-दो-चार-चार वर्सन हो रहे हैं, कौन राइट है, कौन रॉग है, इस बात को दो-चार सदस्य भी बैठकर और वे चाहे कितने बड़े विद्वान हों, तब भी तय नहीं कर सकते और इसलिए मैं शिवराज जी से सहमत हूँ। अब कभी-कभार इतिहास में किसी क्षण, कोई किताब हम बच्चों को पढ़ाने को देते हैं। बच्चों को पढ़ाने को देते हैं तो स्वाभाविक रूप से, जैसे चन्द्रशेखर जी ने कहा कि एम.ए. का बच्चा पढ़ रहा है और एक तीसरी कक्षा का बच्चा पढ़ रहा है, जिस कक्षा में जो विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, उस विद्यार्थी की समझ के अनुसार उसको पढ़ाना चाहिए। जिस विवाद पर हम बात कर रहे हैं, अगर सिद्धांत रूप में गलत बातें इतिहास की आई हैं

तो उनको हटाना चाहिए। अगर सिद्धांत रूप में किन्हीं महापुरुषों के बारे में गलत बातें लिखी हों तो लिखा नहीं होना चाहिए।

बहुत बार हम लोगों ने किताबों को बैन करने की बात की है और हमने ही की है। हमने ही कहा है कि सलमान रुश्दी की फलानी किताब बैन होनी चाहिए। अब वह पढ़ाई तो नहीं जा रही थी लेकिन जो पढ़ेगा, उसी को पता चलेगा लेकिन बहुत बार हमने ही और मैं कहता हूँ कि हमने का मतलब एक पार्टी पर मैं आरोप नहीं कर रहा हूँ, जैसी सुविधा हो, उसके अनुसार हिन्दुस्तान की सभी राजनीतिक पार्टियाँ ने कभी न कभी, किसी न किसी किताब पर, किसी न किसी फिल्म पर पाबंदी लगाने की बात की है और हमारी आज़ादी, हमारा व्यवहार, उसमें हमेशा ही, 'The truth lies on which side of Jerusalem you are.' जैसे जेरूसलम की जिस साइड में हम खड़े हैं, उसी साइड में इसका टुथ है, यह डिसाइड करना मुश्किल है। अब ऐसी स्थिति में जिस किताब पर आज हम विवाद कर रहे हैं, सम्मानित सदस्य कह रहे हैं कि यह सर्कुलर विदड़ों करो। (व्यवधान) यह आपका अधिकार है। जैसे राजस्थान सरकार ने कोई समिति बिठाई, अच्छी समिति होगी। वैसे ही शिक्षा मंत्रालय ने भी समिति बिठाई क्योंकि किताबें पढ़ाई जाती हैं और किताबों में कहीं-कहीं दो-चार वाक्य इधर-उधर गलत लिखे रहते हैं तो यह लगता है कि ये गलत लिखे गये हैं और वे लोग सरकार के पास आते हैं। जैसे अगर किताबों में लिखा गया कि जाट तो लुटेरे थे तो स्वाभाविक रूप से बहुत सारी जाट संस्थाएँ हैं, उन्होंने आकर कहा कि जाटों को आप लुटेरा कह रहे हैं तो यह गलत है। (व्यवधान)

श्री अवतार सिंह मडाना (मेरठ) : हमने भी लिखकर दिया है। गुजरात पर भी लिखा गया है। क्या गुजरात के बारे में जो लिखा गया है, क्या वह भी आप निकालेंगे?

MR. SPEAKER: Please, let him complete....(Interruptions)

श्री प्रमोद महाजन : आप मेरी बात सुनेंगे नहीं। (व्यवधान)

श्री अवतार सिंह मडाना : क्या आपने जाटों को निकालने का काम किया है ? (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी (रीवा) : यह तन्त्र-मन्त्र क्या है ? (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has not completed his reply....(Interruptions)

MR. SPEAKER: This will not go on record.(Interruptions) (व्यवधान)*

MR. SPEAKER: He has not completed his reply. You must have some patience....(Interruptions)

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल ठीक कहा है, किसी किताब में गुजरात के बारे में कुछ लिखा होगा, मराठों के बारे में लिखा होगा या किसी और के बारे में लिखा होगा कि ये लुटेरे थे, इस बारे में किताबों में नहीं रहना चाहिए और किताबों में से निकालना चाहिए, मैं आपकी इस बात से दो सौ प्रतिशत सहमत हूँ। मैं इतना ही कह रहा हूँ (व्यवधान) आपने सदन में खड़े होकर मांग की कि गुजरात के बारे में लुटेरे लिखा है, तो उसको किताब में से निकालना चाहिए। यहां खड़े होकर कहता हूँ कि बिल्कुल निकालना चाहिए। अगर NCERT सर्कुलर निकालती है कि गुजरात के बारे में गलत लिखा है, निकाल दो। यहां खड़े होकर कहा जाए कि हिस्ट्री को चेंज किया है, टैम्पर किया है, तो मैं पूछना चाहता हूँ कि हिस्ट्री में क्या चेंज किया है, क्या टैम्पर किया है? (व्यवधान) आप जिस सर्कुलर की बात कह रहे हैं कि उसको विदड़ किया जाए, तो उसका अर्थ यह होगा (व्यवधान) दिल्ली की विधान सभा में एक प्रस्ताव पारित करके (व्यवधान)

* Not recorded

MR. SPEAKER: Please, Shri Basudeb Acharia.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: This is injustice to me. You will have to listen to me. If hon. Speaker allows, you can speak after me but you will have to listen to me. (व्यवधान) मैं राजनीति में नहीं जा रहा हूँ। दिल्ली की विधान सभा ने एक मत से प्रस्ताव पारित करके कहा कि गुरु तेग बहादुर, जिनकी शहादत के कारण आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, को लुटेरा कहते हैं, तो वह किताब से निकाल देना चाहिए। मैं आपसे पूछता हूँ, अगर आपकी सुनूँ और सर्कुलर वापिस ले लूँ, तो कल से बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि गुरु तेग बहादुर एक हत्याारा और लुटेरा था। क्या आप यह चाहते हैं, हम बच्चों को यह पढ़ायें कि गुरु तेग बहादुर एक लुटेरा था और हत्याारा था। जैसा आप चाहते हैं कि सर्कुलर को विदड़ करूँ, तो इसका अर्थ यह हो जाएगा कि जो जाट थे, वे लुटेरे थे। अगर आप चाहते हैं कि मैं सर्कुलर विदड़ करूँ, तो कहा जाएगा कि जाट लुटेरे थे। We have not tempered with the history. We have not re-written the history. We have just deleted those portions which hurt the sentiments. There is no question of withdrawing the circular at any cost....(Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : We are walking out in protest. (व्यवधान) (Interruptions)

1254 hours

(At this stage, Shri Somnath Chatterjee, Shri Mulayam Singh Yadav
and some other hon. Members left the House.)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : I was referred to by the Minister. (व्यवधान) A reference was made to me....(Interruptions) I am only submitting that the religion and the history should not divide the country. We are objecting to the intention of dividing the country and dividing the society....(Interruptions)

SHRI PRAMOD MAHAJAN; You may show me one such line....(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : That is why we are making a request to you, Sir, that this is an issue which requires discussion on the floor of the House. Let us have a discussion.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, they are challenging the intention. First, they should talk about the facts and then they should talk about the intention....(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): Sir, we are not satisfied with the reply given by the Minister of Parliamentary Affairs. Therefore, we are also walking out in protest.

12.55 hrs

*(At this stage, Shrimati Sonia Gandhi and some other
hon. Members left the House.)*

श्री मोहन रावले : महोदय, इन्होंने गुरु तेग बहादुर का अपमान किया है। â€ (व्यवधान) हमें इन महापुरुषों से राष्ट्रीय प्रेरणा मिलती है। â€ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : कांग्रेस की दोहरी चाल साबित हो गई। â€ (व्यवधान)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Mr. Speaker, Sir, when I challenged the hon. opposition leaders on facts, they could not give me one single line which can put a motive that the Government is re-writing the history or the Government is changing the history.

Now, this is like Goebbels. Without giving even one proof of changing the history, they are making allegations. Sir, though the Opposition has the right to walk out but if it is against the NCERT circular, I think it is very unfortunate as it is a circular which brings back glory of Guru Tegh Bahadur and which again terms the Jats as patriots. If walk outs are done against these kinds of circulars, I think, people will judge on which side they are.

SHRI CHANDRA SHEKHAR : Mr. Speaker, Sir, you know my view on this matter. But the word 'talibanisation' used by them is as objectionable as the word 'Goebbels' used by the Minister of Parliamentary Affairs. This is not Goebbelian tactics. They might not be behaving in a decent manner. That is altogether different. But this word should not come from the Minister of Parliamentary Affairs. It does not create a congenial atmosphere in this House because they are not there and he is saying that they are behaving like Goebbels. Nobody can be Goebbel and nobody can be Taliban in this country. The country has a cultural history of thousands of years and such Goebbels and such Talibans would come and go, but the country will go on its own path....(*Interruptions*)
